

भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 887
गुरुवार, 24 जुलाई, 2025/2 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

रक्सौल हवाई अड्डे का विस्तार

887. डॉ. संजय जायसवाल:

क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) रक्सौल हवाई अड्डे के विस्तार हेतु भूमि अधिग्रहण की वर्तमान स्थिति और उक्त प्रयोजन हेतु अब तक अधिग्रहित भूमि क्षेत्र का ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या यह सच है कि रक्सौल हवाई अड्डे के लिए लगभग 400 रैयतों (भूमिधारकों) की भूमि अधिग्रहित की जा रही है;
- (ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और प्रभावित किसानों को मुआवजा देने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रक्रिया अपनाई जा रही है और अब तक कितने किसानों को मुआवजा दिया गया है;
- (घ) उड़ान योजना के अंतर्गत रक्सौल हवाई अड्डे के कब तक चालू होने की संभावना है और वहाँ से वाणिज्यिक उड़ानें शुरू होने की संभावित तिथि क्या है; और
- (ङ) क्या सरकार ने रक्सौल हवाई अड्डे के चालू होने से पूर्वी चंपारण और नेपाल के निकटवर्ती सीमावर्ती क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था और नागरिक अवसंरचना पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव का कोई आकलन किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोले)

(क) से (ग) : रक्सौल हवाई अड्डा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) का है। 209.471 एकड़ भूमि का म्यूटेशन हो चुका है। एएआई ने ए320-प्रकार के विमानों के परिचालन हेतु रक्सौल हवाई अड्डे के विकास हेतु बिहार राज्य सरकार से अतिरिक्त 139 एकड़ भूमि का अनुरोध किया है, जिसका आवंटन अभी तक नहीं हुआ है। यदि कोई भूमि अधिग्रहण करना है, तो वह राज्य सरकार द्वारा किया जाना है।

(घ) और (ङ) : बिहार में रक्सौल हवाई पट्टी, उड़ान योजना के अंतर्गत असेवित हवाई पट्टियों की सूची में शामिल है। उड़ान 5.2 दौर के दौरान, रक्सौल को 8- सीटर प्रकार के विमानों से जोड़ने वाले मार्गों के लिए बोलियाँ प्राप्त हुई हैं। परिचालन की शुरुआत हवाईअड्डे की तैयारी पर निर्भर है।

आरसीएस-उड़ान ने दूरदराज के क्षेत्रों के आर्थिक विकास को गति प्रदान की है और देश भर में आर्थिक गतिविधियों में अधिक समतापूर्ण और समावेशी विकास में योगदान दिया है। इससे औद्योगिक केन्द्रों, पर्यटन स्थलों तक बेहतर सम्पर्क के साथ अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिला है तथा व्यापार अधिक प्रभावी बना है। आईसीएओ के अध्ययन - "नागर विमानन के आर्थिक लाभ: समृद्धि की लहरें", के अनुसार, विमानन के उत्पादन और रोजगार गुणक क्रमशः 3.25 और 6.10 हैं। इसका अर्थ है कि वायु परिवहन पर खर्च किए गए प्रत्येक 100 रुपये से 325 रुपये का लाभ होता है, और वायु परिवहन में प्रत्येक 100 प्रत्यक्ष रोजगार से समग्र अर्थव्यवस्था में 610 रोजगार सृजित होते हैं।
